दिनांक 21 दिसंबर 2021 अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका विषय था "आदर्श भारत के पुनर्निर्माण में चरित्र निर्माण एवं बौद्धिक विकास की भूमिका"। महाविद्यालय प्राचार्य एवम् कार्यक्रम संरक्षक डॉ कृष्णकांत गुप्ता के कुशल नेतृत्व में यह कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफ़ेसर इप्शिता बंसल(प्रबंधन विभाग भगतसिंह महिला महाविद्यालय सोनीपत) उपस्थित थी। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कृष्ण कांत गुप्ता ने अतिथि वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की संस्कृति अत्यंत प्राचीन एवं विश्व विख्यात है। वर्तमान समय में हमें अपने पुराने आदर्शों और मूल्यों को अपनाकर बौद्धिक विकास एवं चरित्र निर्माण करके देश के विकास में एक अहम भूमिका निभानी होगी। साथ ही युवा वर्ग का आह्वान करते हुए उनकी विशेष भागीदारी की अपेक्षा व्यक्त की। प्रोफेसर इप्शिता ने नागरिकों के मूल्य, अधिकार, कर्तव्य और दायित्व पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि कहीं खो रही है मानवता जिसे ढूंढने में जमाने लगेंगे ,हमें अपने नैतिक मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए, अपने अधिकारों का सही प्रयोग करके कर्तव्य पालन करना चाहिए और यही हमारा दायित्व है तभी हम सच्चे नागरिक कहलाएंगे और तभी हमारे देश का विकास होगा। आज की युवा पीढ़ी अगर इन मूल्यों को अपनाकर आगे बढ़ेगी तो सुनिश्चित ही उनका और देश का भविष्य उज्जवल होगा। इस कार्यशाला में लगभग 300 शिक्षक , गैर शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने भाग लेकर लाभ उठाया। वास्तव में यह कार्यशाला शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयोजक डा बांके बिहारी के सहयोग से सार्थक सिद्ध हुई।